राष्ट्रीय जनजाति संगीत-नृत्य में सिक्किम, झारखंड के कलाकारों का रहा दबदबा

जनजाति राष्ट्रीय संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का समापन, विजेताओं को किया सम्मानित

उदयपुर | राष्ट्रीय जनजाति संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता का समापन शनिवार को एमएलएसयू के विवेकानंद सभागार में हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इसमें प्रथम ईएमआरएस निचार हिमाचल प्रदेश, द्वितीय ईएमआरएस कुम्हारघाट, त्रिपुरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल नृत्य में प्रथम ईएमआरएस मालान और अलवर की पूजा बाई मीणा, द्वितीय ईएमआरएस स्वयम सिक्किम की मेजरमीट लेछा व तृतीय स्थान ईएमआरएस पंगुर उड़ीसा की सुरेश साउन्ता ने प्राप्त किया। समूह गायन में प्रथम ईएमआरएस तौसिंदुरी झारखण्ड, द्वितीय ईएमआरएस गंग्याप सिक्किम व तृतीय स्थान ईएमआरएस डोरनाला आंध्रप्रदेश ने प्राप्त किया। एकल गायन में प्रथम ईएमआरएस निवारी टोंक, राजस्थान की मनीषा मीणा, द्वितीय ईएमआरएस गंग्याप सिक्किम की रिनचैन अंगमो व तृतीय कुजरा लोहरदगा झारखण्ड की अनीपा लकड़ा रही। एकल नृत्य एवं एकल गीत में प्रथम पुरस्कार 50 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 40 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 30 हजार रुपये तथा समूह नृत्य एवं समूह गीत हेतु प्रत्येक में प्रथम पुरस्कार 2 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख 75 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 1 लाख 25 हजार रुपये प्रदान किए गए। केन्द्रीय जनजाति सचिव दीपक खाण्डेकर ने कहा कि मॉडल स्कूल की प्रतिभाएं आज हर क्षेत्र में अव्वल हैं, यह हम सभी के लिए गौरव ही बात है। केन्द्रीय जनजाति संयुक्त सचिव एम.आर. शेरिंग ने विजेता रहे विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। अतिरिक्त आयुक्त अंजलि राजौरिया व रामजीवन मीणा भी उपस्थित रहे।